RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2016-2018 IPT indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE ■ 28 MARCH TO 03 APRIL 2018 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 03 ■ अंक 31 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

31 मार्च से पहले निपटा लें जीएसटी से जुड़े कई अहम काम

Page 3

बुलेट ट्रेन के लिए पुलों, सुरंगों की डिजाइनिंग का 80प्रतिशत काम पूरा

Page 4

जल्द लॉन्च होगी BMW की यह दमदार कार

Page 6

editoria!

सस्ते-महंगे शहर

दुनिया के सबसे महंगे शहर सिंगापुर में एक किलो ब्रेड की कीमत 241 रुपए है। दुनिया के सबसे सस्ते शहर दमिश्क में यही ब्रेड 38 रुपए में मिलती है। दिल्ली-एनसीआर में एक किलो ब्रेड के पैकेट नहीं आते, आधा किलो का पैकेट 30-32 रुपये का पड़ता है। इकनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) ने दुनिया के सबसे महंगे और सबसे सस्ते शहरों की लिस्ट जारी की है, जिसमें पिछले साल की तरह इस साल भी सिंगापुर दुनिया का सबसे महंगा शहर बना हुआ है, जबकि महंगे शहरों की सूची में पेरिस, ज्यूरिख और हांगकांग भी शामिल हैंहांगकांग में आवासीय महंगाई का आलम यह है कि पिछले साल लोगों ने यहां रहने के लिए दो बाई एक मीटर का पिंजरा सबसे ज्यादा पसंद किया, क्योंकि उसका किराया सबसे कम, यानी 32 हजार रुपए प्रतिमाह था। ईआईयू ने 130 शहरों में सस्ता-महंगा जानने के लिए भोजन, शराब, कपड़े, पर्सनल केयर, मकान का किराया, ट्रांसपोर्ट, जरूरी बिल्स, प्राइवेट स्कूल, घरेलू नौकर, मनोरंजन आदि के खर्चों का पता लगाया। कुल 160 उत्पादों और सेवाओं की कीमतें इन शहरों में चेक की गईं और चेकिंग बेस न्यू यॉर्क को बनाया गया। सर्वे के मुताबिक दुनिया के कुछेक सबसे महंगे शहर एशिया में हैं तो, कुछ सबसे सस्ते शहर भी यहीं हैं। सबसे सस्ते शहरों में पांचवें नंबर पर रखे गए बंगलुरु में एक लीटर अनलेडेड पेट्रोल की कीमत 73 रुपए है तो सबसे महंगे शहरों में पांचवें नंबर पर रखे गए ओस्लो में वही पेट्रोल 129 रुपए लीटर है। सर्वे में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में धन का उचित मूल्य देने की परंपरा रही है, जिसके चलते बंगलुरु, चेन्नई, कराची और नई दिल्ली सबसे सस्ते दस शहरों में शामिल हैं। कहा यह भी गया है कि भारत वैसे तो विश्व की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है, मगर जब बात श्रम का उचित मूल्य देने की होती है तो उसकी गिनती सबसे निचले दर्जे में ही होती है। इसके चलते यहां आय में भीषण असमानता है। लोग घरेलू खर्च की सीमा बांध रहे हैं और एक ही वस्तु की कई कीमतें अदा कर रहे हैं। महंगे शहरों में रहने वाले लोगों के श्रम के मूल्य से भी छेड़छाड़ होती है, मगर अपने यहां जितनी नहीं। यही वजह है कि वहां आम लोग भी हमसे ज्यादा खर्च कर पाते हैं।

कच्चे तेल में तेजी

एक बार फिर 80 के पार पहुंचा पेट्रोल, 70 के करीब डीजल

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई है, जिससे एक बार फिर से पेट्रोल-डीजल के भाव आसमान को छूने लगे हैं। 21 मार्च के बाद से इनके दामों में बढ़ोतरी होने लगी और अभी तक पेट्रोल 70 पैसे और डीजल में 97 पैसों की बढ़ोतरी हो गई है।

मुंबई में 80 के पार पहुंचा पेट्रोल

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल का दाम एक बार फिर से 80 रुपये के पार चला गया है। वहीं डीजल भी 70 रुपये के करीब है। इससे पहले यह स्तर 14 फरवरी को था। 21 मार्च को पेट्रोल के दामों में 24 पैसे की बढ़ोतरी हुई थी, जो कि अब तक की सर्वाधिक है।

यह है पेट्रोल का दाम

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, देश के चार बड़े महानगरों में 27 मार्च पेट्रोल का दाम 80 रुपये के पार पहुंच गया है। दिल्ली में 72.90 रुपये, कोलकाता में 75.63 रुपये, मुंबई में 80.77 रुपये और चेन्नई में 75.61 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं एनसीआर की बात करें तो फरीदाबाद में 73.67 रुपये, गुड़गांव में 73.43 रुपये, नोएडा में 74.51 रुपये और गाजियाबाद में 74.40 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में सबसे महंगा डीजल

मंगलवार को चार महानगरों में मुंबई में देश का सबसे महंगा डीजल बिक रहा है। वहीं चेन्नई बिक रहे डीजल के दाम में ज्यादा अंतर नहीं है। दिल्ली में 63.77 रुपये, कोलकाता में 66.46 रुपये, मुंबई में 67.91 रुपये और चेन्नई में 67.25 रुपये प्रति लीटर दाम है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक एनसीआर के शहरों में सबसे महंगा डीजल फरीदाबाद में है। फरीदाबाद में 64.85 रुपये, गुड़गांव में 64.63 रुपये, नोएडा में 64.14 रुपये और गाजियाबाद में यह 64.03 रुपये प्रति लीटर है।

रोज बदलते हैं दाम

देश के तीनों बड़ी पेट्रोलियम कंपनियां इंडियन ऑयल (IOCL), भारत पेट्रोलियम (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) इंटरनेशनल मार्केट के आधार पर पेट्रोल की कीमतें रोजाना रिवाइज करती हैं। इसके चलते दिल्ली में पेट्रोल की कीमतें रोज सुबह 6 बजे बदल जाती हैं। इससे पहले की व्यवस्था के तहत पेट्रोल की कीमतें हर 15 दिन में बदलती थीं। बाद में 16 जून 2017 से इनकी कीमतों में रोज बदलाव होता है।

आम आदमी पर बढ़ेगा बोझ, महंगा होगा पैट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। पैट्रोल-डीजल के मोर्चे पर आम आदमी के लिए एक बुरी खबर है। ब्रेंट क्रूड ने इस साल दूसरी बार 70 डॉलर का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले ब्रेंट क्रूड 31 जनवरी को 70 डॉलर का आंकड़ा पार कर 70.97 के स्तर तक जा पहुंचा था। जानकारों का मानना है कि अगर क्रूड में यह बढ़त जारी रही तो आने वाले दिनों में पैट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है।

कीमतें बढ़ने का कारण

विशेषज्ञों के अनुसार क्रूड में अभी और विस्तार देखने को मिल सकता है। अगर इसके कारणों की बात की जाए तो इसमें ओपेक देशों की ओर से प्रोडक्शन कट को जारी रखना, अमरीकी फैड रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में इजाफा, मिडल ईस्ट की मौजूदा स्थिति और रुपए में जारी गिरावट को माना जा सकता है। आर्थिक तंगी की वजह से वेनेजुएला के प्रोडक्शन में कमी आना, ईरान पर पाबंदी और सऊदी सहित तमाम देशों के बीच जारी जियो पॉलिटिकल टैंशन महंगे क्रूड की वजह हैं। इन्हीं वजहों के कारण क्रूड मार्च के अंत तक 63 से 73 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकता है।

दाम बढ़ने से तेल आयात बिल 25 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

भारत का कच्चा तेल आयात बिल चालू वित्त वर्ष में 25 प्रतिशत बढ़कर 87.7 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल के महीनों में तेजी आई है जिससे देश का आयात बिल बढने का अनुमान है। भारत ने 2016-17 में 21.40 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया था। मूल्य के हिसाब से यह 70.19 अरब डॉलर या 4.7 लाख करोड़ रुपए का रहा। पैट्रोलियम मंत्रालय के पैट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पी.पी.ए.सी.) के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2017-18 में कच्चा तेल आयात 21.91 करोड़ टन रहने का अनुमान है। भारत अपनी तेल जरूरत का 80 प्रतिशत आयात के जरिए पूरा करता है।

कच्चे तेल से क्या मिलता है

नई दिल्ली। एजेंसी

कच्चे तेल से सिर्फ पेट्रोल या डीजल ही नहीं मिलता है, इससे हर दिन इस्तेमाल होने वाली ढेरों चीजें मिलती हैं। एक नजर कच्चे तेल से मिलने वाले अहम उत्पादों पर।

ब्यूटेन और प्रोपेन

कच्चे तेल के शोधन के पहले चरण में ब्यूटेन और प्रोपेन नाम की प्राकृतिक गैसें मिलती हैं। बेहद ज्वलनशील इन गैसों का इस्तेमाल कुकिंग और ट्रांसपोर्ट में होता है। प्रोपेन को अत्यधिक दवाब में ब्युटेन के साथ कंप्रेस कर एलपीजी (लिक्विड पेट्रोलियम गैस) के रूप में स्टोर किया जाता है। ब्यूटेन को रेफ्रिजरेशन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

तरल ईंधन

प्रोपेन अलग करने के बाद कच्चे तेल से पेट्रोल, कैरोसिन, डीजल जैसे तरल ईंधन निकाले जाते हैं। सबसे शुद्ध फॉर्म पेट्रोल है। फिर कैरोसिन आता है और अंत में डीजल। हवाई जहाज के लिए ईंधन कैरोसिन को बहुत ज्यादा रिफाइन कर बनाया जाता है। इसमें कॉर्बन के ज्यादा अणु मिलाए जाते हैं। जेट फ्यूल माइनस 50 या 60 डिग्री की ठंड में ही नहीं जमता है।

नैफ्था

पेट्रोल, कैरोसिन और डीजल बनाने की प्रक्रिया में जो अपशेष मिलता है, उससे बेहद ज्वलनशील तरल नैफ्था भी बनाया जाता है। नैफ्था का इस्तेमाल पॉकेट लाइटरों में किया जाता है। उद्योगों में नैफ्था का इस्तेमाल स्टीम क्रैकिंग के लिए किया जाता है। नैफ्था सॉल्ट का इस्तेमाल कीड़ों से बचाव के लिए किया जाता है।

नैपाम

कच्चे तेल से मिलने वाला नैपाम विस्फोटक का काम करता है। आग को बहुत दूर भेजना हो तो नैपाम का ही इस्तेमाल किया जाता है। यह धीमे लेकिन लगातार जलता है। पेट्रोल या कैरोसिन के जरिए ऐसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे बहुत जल्दी जलते हैं और तेल से वाष्पीकृत भी होते हैं।

मोटर ऑयल

गैस और तरल ईंधन निकालने के बाद कच्चे तेल से इंजिन ऑयल या मोटर ऑयल मिलता है। बेहद चिकनाहट वाला यह तरल मोटर के पार्ट्स के बीच घर्षण कम करता है और पुर्जों को लंबे समय तक सुरक्षित रखता है।

ग्रीस

मोटर ऑयल निकालने के साथ ही तेल से काफी फैट निकलता है। इसे ऑयल फैट या ग्रीस कहते हैं. लगातार घर्षण का सामना करने वाले पुर्जों को नमी से बचाने के लिए ग्रीस का इस्तेमाल होता है।

पेट्रोलियम जेली

आम घरों में त्वचा के लिए इस्तेमाल होने वाला वैसलीन भी कच्चे तेल से ही निकलता है। ऑयल फैट को काफी परिष्कृत करने पर गंधहीन और स्वादहीन जेली मिलती है, जिसे कॉस्मेटिक्स के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

चारकोल

असफाल्ट, चारकोल, कोलतार या डामर कहा जाने वाला यह प्रोडक्ट भी कच्चे तेल से मिलता है। हालांकि दुनिया में कुछ जगहों पर चारकोल प्राकृतिक रूप से भी मिलता है. इसका इस्तेमाल सड़कें बनाने या छत को ढकने वाली वॉटरप्रूफ पट्टियां बनाने में होता है।

मोम

ऑयल रिफाइनरी में मोम का उत्पादन भी होता है। यह भी कच्चे तेल का बायप्रोडक्ट है। वैज्ञानिक भाषा में रिफाइनरी से निकले मोम को पेट्रोलियम वैक्स कहा जाता है। पहले मोम बनाने के लिए पशु या वनस्पति वसा का इस्तेमाल किया जाता था।

प्लास्टिक

कच्चे तेल का इस्तेमाल प्लास्टिक बनाने के लिए भी किया जाता है। दुनिया भर में मिलने वाला ज्यादातर प्लास्टिक कच्चे तेल से ही निकाला जाता है। वनस्पति तेल से भी प्लास्टिक बनाया जाता है लेकिन पेट्रोलियम की तुलना में महंगा पड़ता है।

जमीन में कच्चा तेल ढूंढने के लिए सेंसर केबल बिछाकर 'सर्वे'

मंदसौर में जमीन के अंदर पेट्रोलियम पदार्थों की संभावना

मन्दसौर। एजेंसी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (सीएनजीसी) द्वारा मंदसौर में क्रुड ऑयल (कच्चे तेल) के भंडारों का पता लगाने के लिए अल्फा जियो इंडिया लिमीटेड कंपनी द्वारा सर्वे किया जा रहा है। पिछले दो दिनों से चल रहे सर्वे में अल्फा जियो की टीमों ने नगरी, पटलावद सहित आसपास के गांवो में करीब 100 से ज्यादा स्थानों पर सेटेलाइट से चिन्हित स्थानों पर जमीन के अंदर बोरवेल मशीनों से बोरकर एवं सेंसर केबल बिछाकर जमीन के अंदर का डाटा इकठ्ठा कर रही है। सेटेलाइट सर्वे के आधार पर मंदसौर सहित प्रदेश के 15 जिलों में पेट्रोलियम पदार्थो की मात्रा पाए जाने की संभावना को देखते हुए ऑयल एडं नेचूरल गैस कंपनी के सर्वेयर द्वारा जिले के नगरी, मल्हारगढ़, दलौदा क्षेत्र के कईगांवो में ट्यूबवेल मशीनों के सहायता से जमीन के अंदर 6 0 से 120 फीट की गहराई तक बोर कर टेस्ट पाइपों द्वारा जमीन के अंदर के करीब 10 हजार फीट तक का कच्चे पेट्रोलियम पदार्थों से संबंधित डाटा इकठ्ठा किया जा रहा है। इसके बाद इस डाटा का देश की दो प्रमुख लेब बड़ौदा एवं देहरादून भेजा जाएगा, यहां इसका परीक्षण होगा। करीब छः माह में इस डाटा की सारी रिपोर्टस प्राप्त होगी।

सेंसर द्वारा एकत्रित कर रहे डाटा

नगरी क्षेत्र में अल्फा जियों की टीमों द्वारा खेतों में केबल बिछाकर सेंसर लगाने के साथ ही एक साथ करीब 15 से 18 की संख्या में ट्यूबवेल मशीनों के खेतों में पहुंचकर चिन्हित स्थानों पर बोंरिग लगाने की तैयारियों को देखते हुए कई किसानों ने नप अध्यक्ष और जन प्रतिनिधीयों को खेतों में बोरिंग लगाए जाने की सूचना दी। कुछ देर बाद ही ओएनजीसी के अधिकारियों ने नप पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय का लेटर देकर कच्चे पेट्रोलियम पदार्थों के लिए चल रहे सर्वे की जानकारी से अवगत कराते हुए बताया कि पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देशानुसार ओएनजीसी के टीमें क्षेत्र में घूमकर सर्वे कर रही है। इसमें ट्यूबवेल करने के बाद उसमें विस्फोटक डाल कर जमीन के अंदर का डाटा तरंगमापी यंत्र द्वारा इकट्ठा किया जा रहा है।

पॉजिटिव रिपोर्ट से किसानों को होगा खासा लाभ

ओएनजीसी अधिकारियों के मुताबिक अभी सर्वे का प्रारंभिक चरण है यदि किसी खेत में चिन्हित स्थान पर कच्चे पेट्रोलियम पदार्थों की संभावनाओं की रिपोर्ट पॉजिटिव प्राप्त होती है और वहां कंपनी के आशानुरुप पदार्थ प्राप्त होता है तो कंपनी किसानों की जमीन करीब 2 से 2.5 लाख मासिक किराए पर रखेगी। इसके साथ ही बोरवेल लगाने में भी किसानों को किसी प्रकार का नुकसान न हो बल्कि लाभ मिल सके इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यदि फसलों के नुकसानी जैसी स्थिति बनती है तो इसकी भरपाई भी नियमानुसार करने की बात कही।

अभी 2 डी सर्वे चल रहा है

ओएनजीसी के पीआरओ रोहनसिंह राठोर एवं विपिन सिंह ने बताया कि पेट्रोलियम पदार्थों के लिए सेटेलाइट सर्वे के तहत प्रथम चरण में मप्र के 15 जिलों में टीमों द्वारा फिलहाल 2 डी लेंड सेसमिक प्रोजेक्ट के तहत 20 किमी की केबल बिछाकर करीब 6 0 फीट की दूरी पर किसानों की सहमति से बोरवेल कर जमीन के अंदर का डाटा संग्रहित किया जा रहा है। अभी तक इंदौर, उज्जैन, देवास, अलीराजपुर, झाबुआ एवं रतलाम जिले के सर्वे का काम पूरा हो गया है। किसानों की नुकसानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। प्रोजेक्ट अक्टूबर- 2017 से प्रारंभ हुआ है आगामी 2019 तक यह पूरा होगा।

चार हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंचा रुपया, डॉलर के मुकाबले 9 पैसे चढ़ा

मुंबई। एजेंसी

सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2019 की पहली छमाही में बाजार से कम कर्ज लेने की घोषणा के बाद बॉन?ड मुनाफे में एक-चौथाई प्रतिशत (25 आधार अंक) की गिरावट के कारण आज शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे मजबूत होकर चार हफ्ते के उच्च स्तर 64.78 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। सरकार ने सोमवार को ऐलान किया था कि वह आगामी वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में बाजार से 2.88 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटाएगी, जबकि चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में यह3.72 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि, चीन और अमेरिका के बीच वार्ता की खबरें आने से अन्य विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी रही। इन खबरों ने व्यापार युद्ध की आशंकाओं को कम करने में मदद की। डीलरों ने कहा कि शेयर बाजार की शुरुआती तेजी ने रुपये का समर्थन किया। कल के कारोबारी दिन में डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे मजबूत होकर दो हफ्ते के उच्च स्तर 64.87 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

31 मार्च से पहले निपटा लें जीएसटी से जुड़े कई अहम काम

■टैक्सपेयर्स कैश लेजर, क्रेडिट लेजर और लाइबिलिटी लेजर का मिलान करते हुए सभी एंट्रीज कर लें। ■ डेबिट नोट, क्रेडिट नोट, रेट डिफरेंस, डिस्काउंट वगैरह के साथ ही वित्त वर्ष 2017-18 का टर्नओवर भी चेक कर लें। ■ कंपोजिशन स्कीम में शामिल होना चाहता है तो उसे 31 मार्च तक फॉर्म CMP-02 भर देना चाहिए। ■ हर महीने का ग्रॉस प्रॉफिट चेक कर लेना चाहिए कि कहीं से एंटी प्रॉफिटियरिंग क्लॉज का उल्लंघन तो नहीं हो रहा।

नई दिल्ली। एजेंसी

मौजूदा वित्त वर्ष के आखिरी छह दिन कारोबारियों के लिए खासे अहम हैं। हालांकि सरकार ने रिटर्न से जुड़ी कुछ रियायतें 30 जून तक बढ़ा रखी हैं, लेकिन जानकारों का कहना है कि दर्जनों ऐसे काम हैं, जो जीएसटी चुकानेवालों को 31 मार्च से पहले पूरे कर लेने चाहिए।

सभी टैक्सपेयर्स को अपने कैश लेजर, क्रेडिट लेजर और लाइबिलिटी लेजर का मिलान करते हुए 31 मार्च से पहले सभी एंट्रीज कर लेनी चाहिए। जीएसटी रूल्स के तहत टैक्स इनवॉइस जारी होने के बाद अगर रिसीवर 180 दिनों के भीतर पेमेंट नहीं करता तो उस इनवॉइस पर लिया गया क्रेडिट रिवर्स करना होगा। ऐसे में 1 अक्टूबर 2017 से पहले जारी सभी बिलों पर 31 मार्च तक भुगतान कर देना चाहिए।

जीएसटी एक्सपर्ट राकेश गर्ग ने कहा, 'मान लीजिए 15 सितंबर 2017 को आपके सीए को 10,000 रुपये की फीस देय थी, जिस पर उस महीने के रिटर्न में आपने 1800 रुपये का क्रेडिट ले लिया तो 31 मार्च तक फीस जमा करा दीजिए, वरना मार्च के टैक्स में 1800 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।'

उन्होंने बताया कि डेबिट नोट, क्रेडिट नोट, रेट डिफरेंस, डिस्काउंट वगैरह के साथ ही वित्त वर्ष 2017-18 का टर्नओवर भी चेक कर लेना चाहिए। नए वित्त वर्ष का पहला इनवॉइस बनाने से पहले ध्यान रखना होगा कि टर्नओवर 1.5 से 5 करोड़ रुपये के बीच है तो दो अंकों में एचएसएन कोड लिखेंगे, 5 करोड़ रुपये से ऊपर के मामले में 4 डिजिट में और 1.5 करोड़ रुपये से कम होने पर लिखना जरूरी नहीं है।

अगर कोई कंपोजिशन स्कीम में शामिल होना चाहता है तो उसे 31 मार्च तक फॉर्म CMP-02 भर देना चाहिए। कंपोजिशन के तहत रजिस्ट्रेशन कैंसल कराने के लिए 7 अप्रैल तक का समय होगा। ट्रेडर्स को अगले वित्त वर्ष में तिमाही या मंथली रिटर्न भरना है, यह भी 31 मार्च तक उनके टर्नओवर पर निर्भर करेगा।

सीए राकेश गुप्ता ने कहा कि जिनके पास 30 जून तक के क्लोजिंग स्टॉक का एक्साइज पेड बिल नहीं है, उन्हें 40-60 प्रतिशत स्कीम के तहत इनपुट क्रेडिट का लाभ उठाने के लिए 31 मार्च से पहले TRAN-2 भरना जरूरी है। साथ ही, आगे के लिए 31 मार्च तक क्लोजिंग स्टॉक का वैल्यूएशन अच्छी तरह से कर लेना चाहिए। आईटीसी क्लेम किया है तो कैपिटल गुड्स पर डेप्रीसिएशन की गणना भी कर लेनी चाहिए।

इनपुट सर्विस डिस्ट्रिब्यूटर्स को 31 मार्च से पहले जुलाई से फरवरी तक का रिटर्न GSTR-6 के रूप में भर देना होगा। 31 मार्च से पहले हर महीने का ग्रॉस प्रॉफिट चेक कर लेना चाहिए और यह देखना चाहिए कि कहीं से एंटी प्रॉफिटियरिंग क्लॉज का उल्लंघन तो नहीं हो रहा। ट्रेडर्स को यह ध्यान रखना होगा कि जीएसटी में अतिरिक्त इनपुट क्रेडिट के रिफंड की व्यवस्था नहीं है, लिहाजा इसे कैरी फॉरवर्ड कराना होगा। पोर्टल पर जीएसटीआर-2ए के तहत परचेज चेक करते रहना चाहिए।

1 अप्रैल से लागू होगा ई-वे बिल, GSTR-3B जून तक कर सकते हैं फाइल

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने ई-वे बिल को लागू करने के लिए नोटिफाई कर दिया है। 1 अप्रैल से ई-वे बिल पूरे भारत में लागू हो जाएगा। एक राज्य से दूसरे राज्य में 50 हजार रुपये से अधिक का सामान ले जाने के लिए ई-वे बिल जरूरी होगा। ई-वे बिल इंटर स्टेट और इंट्रा स्टेच कैटिगरी के लिए जारी किया जाएगा। इसके अलावा केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBEC) ने जीएसटीआर-3बी रिटर्न दायर करने के लिए जून तक का समय दिया है। आमतौर पर किसी भी महीने का जीएसटीआर-3बी रिटर्न अगले महीने की 20 तारीख तक दायर करना होता है।

वित्त मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद ने 10 मार्च की बैठक में ई-वे बिल और जीएसटीआर-3बी रिटर्न दायर करने की तारीख बढ़ाने के बारे में निर्णय लिया था। एक फरवरी को पहली बार लागू किए जाने के बाद सिस्टम में आई दिक्कतों को देखते हुए जीएसटी काउंसिल ने ई-वे बिल को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया है। एक राज्य से दूसरे राज्य में माल की ढुलाई के लिए ई-वे बिल को 1 अप्रैल से लागू किया जाएगा लेकिन राज्य के अंदर माल ढुलाई के लिए इसे 15 अप्रैल से चरणबद्ध ढंग से शुरू किया जाएगा।

ई-वे बिल को टैक्स चोरी रोकने का कदम बताया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि इससे कैश में होने वाले व्यापार पर लगाम लगेगी और टैक्स कलेक्शन बढ़ेगा। जीएसटी निरीक्षक के मांगने पर ई-वे बिल दिखाना होगा। ई-वे बिल की 1 अप्रैल से शुरुआत होने पर ट्रांसपोर्ट्स को 50,000 रुपये से अधिक का माल ले जाने के लिये ई-वे बिल लेना होगा। इसके साथ ही सरकार ने कारोबारियों के लिए संक्षिप्त बिक्री रिटर्न जीएसटीआर-3बी और अंतिम बिक्री रिटर्न जीएसटीआर- 1 को जून तक भरने की अनुमति दे दी है।

मोबाइल इंटरनेट स्पीड में भारत का 109वां स्थानः ऊक्ला स्पीडटेस्ट

मुंबई। दुनिया में भले ही सबसे ज्यादा डेटा यूज किए जाने के मामले में भारत टॉप पर हो लेकिन इंटरनेट स्पीड में अभी हम काफी पीछे हैं। मोबाइल इंटरनेट डाउनलोड स्पीड के मामले में भारत को विश्व भर में 109वां स्थान मिला है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में डाउनलोड स्पीड अभी भी विश्व के अन्य देशों के मुकाबले काफी कम है। ऊक्ला के स्पीडटेस्ट इंडेक्स के अनुसार, देश में मोबाइल इंटरनेट की औसत डाउनलोड स्पीड पिछले साल नवंबर के 8.80 एमबीपीएस से बढ़कर इस साल फरवरी में 9.01 एमबीपीएस पर पहुंच गई।

हालांकि, इसके बाद भी देश की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ और भारत 109वें स्थान पर ही बरकरार रहा। इस रैंकिंग में नॉर्वे 62.07 एमबीपीएस की औसत स्पीड के साथ पहले स्थान पर रहा। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने दिसंबर में दावा किया था कि देश 150 करोड़ गीगाबाइट खपत के साथ विश्व का सबसे बड़ा डेटा उपभोक्ता है। उन्होंने कहा था कि यह अमेरिका और चीन की संयुक्त खपत से अधिक है।

ऊक्ला सूचकांक के अनुसार देश ने ब्रॉडबैंड के मामले में बेहतर प्रदर्शन किया है। इस लिहाज से देश पिछले साल के 76वें स्थान की तुलना में इस साल फरवरी में 67वें स्थान पर आ गया। इंडेक्स में बताया गया कि ब्रॉडबैंड स्पीड पिछले साल नवंबर के 18.82 एमबीपीएस से बढ़कर इस साल फरवरी में 20.72 एमबीपीएस पर पहुंच गई है। इस मामले में 161.53 एमबीपीएस स्पीड के साथ सिंगापुर पहले स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादा आबादी वाले देशों में ब्रॉडबैंड स्पीड वृद्धि में भारत अव्वल है।

बुलेट ट्रेन के लिए पुलों, सुरंगों की डिजाइनिंग का 80प्रतिशत काम पूरा

मुंबई। एजेंसी

अहमदाबाद और मुंबई के बीच चलनेवाली देश की पहली हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का काम काफी तेजी से चल रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुलेट ट्रेन के रास्ते में आनेवाले पुलों और सुरंगों की डिजाइनिंग के काम की अच्छी प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास किया था जिसके 2022 तक पूरा होने का अनुमान है।

अहमदाबाद में काम निबटाकर शाम तक मुंबई वापसी

नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसी) के एमडी अचल खरे ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम कर रहे दिल्ली, मुंबई और जापान के इंजिनियरों ने पुलों, सेतुओं और सुरंगों की करीब-करीब 80 प्रतिशत डिजाइनिंग पूरी कर दी है। प्रस्तावित रेल कॉरिडोर मुंबई में बांद्रा-कुर्ला (बीकेसी) से शुरू होकर अहमदाबाद के साबरमति रेलवे स्टेशन पर खत्म होगा। खरे ने बताया कि रूट का सर्वे और मिट्टी की जांच का काम चल रहा है। साथ ही, दोनों राज्यों में भूमि अधिग्रहण का प्राथमिक कार्य शुरू हो चुका है।

उन्होंने कहा, 'हमारा रूट महाराष्ट्र के 108 गांवों से गुजरेगा। इनमें ज्यादातर गांव पालगढ़ जिले में आते हैं। हमने 17 गावों में जमीन अधिग्रहण के नोटिस जारी कर दिए और जमीन मालिकों को इसकी जानकारी दे दी है।' उन्होंने बताया, 'जो भी जमीन देंगे उन्हें बाजार दर से ज्यादा मुआवजा दिया जाएगा। जो नहीं देंगे, उनकी जमीन लैंड ऐक्विजिशन, रीहैबिलेशन ऐंड रीसेटलमेंट ऐक्ट, 2013 की धारा 19 के तहत अधिगृहित की जाएगी।' उन्होंने कहा कि एनएचएसआरसी ने इस उद्देश्य के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

बकौल खरे, 'पूरा प्रॉजेक्ट आग और भूकंपरोधी होगा। भूकंप संभावित क्षेत्रों में सिस्मोमीटर्स लगाए जाएंगे। साथ ही विंड मॉनिटर सिस्टम्स भी लगाए जाएंगे। बुलेट ट्रेन की स्पीड हवा की चाल पर निर्भर करेगी और हवा की गति प्रति सेकंड 30 मीटर रहने पर ट्रेन का

संचालन बंद कर दिया जाएगा।' अधिकारी ने कहा कि ट्रेन 320 सेकेंड में 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेगी और इस समय तक यह 18 किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी होगी। व्यस्त घंटों में तीन ट्रेन और कम व्यस्त घंटों में दो ट्रेन चलाने की योजना होगी। उन्होंने कहा, ' हम दो तरह की ट्रेन परिचालन करेंगे। कुछ ट्रेनें सीमित स्टेशनों पर रुकेंगी जबकि कुछ ट्रेनें मुंबई और साबरमती के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। हमारे अनुमान के मुताबिक एक दिन में कुल 70 फेरे (एक ओर से 35 फेरे) लगेंगे और प्रति दिन 40,000 यात्री यात्रा करेंगे।

शताब्दी ट्रेनों में कम होगा किराया

बीच के स्टेशनों पर मिलेगी ज्यादा छूट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रेलवे जल्द ही ऐसी शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों में अपने किराये कम करने जा रहा है, जिनमें यात्रियों की संख्या न के बराबर है।रेलवे को इस कदम से उम्मीद है कि वो इससे ट्रेन में सीट खाली रहने में कमी आएगी और ज्यादा से ज्यादा यात्री शताब्दी ट्रेन से यात्रा करेंगे।

बीच के स्टेशन में होगी किराये में कमी

रेलवे ने जो प्लान तैयार किया है, उसके मुताबिक शताब्दी ट्रेनों के बीच के स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या काफी कम होती है। उदाहरण के लिए नई दिल्ली से लखनऊ को चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस में कानपुर और लखनऊ के बीच काफी कम यात्री होते हैं।

इसी तरह अलीगढ़ से गाजियाबाद के बीच भी यात्रियों की संख्या कम होती है। इन शहरों के लोग बस या फिर अपने निजी वाहन से यात्रा करना पसंद करते हैं। ऐसे में रेलवे बीच में पड़ने वाले स्टेशन के बीच किराये में कमी करने जा रही है, जिससे रेलवे के अलावा यात्रियों को फायदा होगा।

रेलवे ने किया था ट्रायल

रेलवे ने नई दिल्ली-अजमेर शताब्दी और चैन्नई-मैसूरू शताब्दी में इसका ट्रायल किया था। ट्रायल के दौरान इन दोनों रूट्स पर आय में 17 फीसदी का इजाफा हुआ है और 63 फीसदी अधिक यात्रियों ने बुकिंग कराई थी। इन दोनों ट्रेनों में यह ट्रायल अजमेर-जयपुर और बंगलूरू-मैसूरू के बीच किया गया था। ट्रायल के सफल होने के बाद रेलवे को उम्मीद है कि अन्य शताब्दी/स्वर्ण शताब्दी ट्रेनों में भी इसको लागू करने से (रेलवे और यात्रियों) को फायदा होगा।

महीने के आखिरी तीन दिन खुले रहेंगे इनकम टैक्स ऑफिस,

आसानी से फाइल कर सकेंगे ITR

नई दिल्ली।एजेंसी

इनकम टैक्स पेयर्स को बड़ी सहूलियत देते हुए केंद्रीय कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि महीने के आखिरी तीन दिन देश भर के सभी इनकम टैक्स ऑफिस खुले रहेंगे।

इन तारीखों में नहीं होगा बंद

महावीर जयंती, गुड फ्राइडे और महीने के आखिरी शनिवार के चलते देश भर के तमाम सरकारी कार्यालयों में छुट्टी रहेगी। हालांकि बैंक शनिवार को खुलेंगे। वहीं इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने साफ किया है कि उसके सभी कार्यालय 29, 30 और 31 मार्च को खुले रहेंगे, जिससे टैक्सपेयर्स अपना इनकम टैक्स रिटर्न आसानी से फाइल कर सकेंगे और इससे संबंधित सभी अन्य कार्य भी पूरा कर सकेंगे।

१ जुलाई से आधार के लिए 'चेहरे की पहचान' को लागू करने को तैयार UIDAI

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) उंगलियों के निशान और आंखों की पुतलियों के अलावा अब 'चेहरे की पहचान' को भी 1 जुलाई, 2018 से शामिल करने को तैयार है। 12 अंकों वाला विशिष्ट पहचान पत्र जारी करने वाली एजेंसी UIDAI ने जनवरी में यह घोषणा की थी कि वह फेस ऑथेंटिकेशन फीचर को भी शामिल करेगी। इस फीचर से उन लोगों को फायदा होगा जिनके फींगरप्रिंट या आंख को स्कैन करने में दिक्कतें आ रहीं थीं।

UIDAI ने बताया कि चेहरे की पहचान वाला फीचर फिंगरप्रिंट, आइरिश या ओटीपी में से किसी एक के साथ होगा। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट के सामने दी गई एक प्रेजेंटेशन में UIDAI के सीईओ अजय भूषण पांडे ने कहा था कि आधार डेटा लीक करने के लिए दुनिया के सबसे तेज कंप्यूटर को भी अनगिनत साल लग जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट को सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए ही उन्होंने बताया था कि फेस ऑथेंटिकेशन 1 जुलाई से शुरू कर दिया जाएगा। '1 बिलियन' नाम की प्रेजेंटेशन सुप्रीम कोर्ट को देते हुए UIDAI के सीईओ ने कहा था, 'चेहरे की पहचान वाला फीचर फिंगरप्रिंट, आइरिश या ओटीपी में से किसी एक फीचर के साथ 1 जुलाई से शुरू हो जाएगा।' उन्होंने बताया था कि अभी तक 1,696.38 करोड़ आधार ऑथेंटिकेशन और 464.85 करोड़ ई-केवाईसी ट्रांजैक्शंस अभी तक हो चुके हैं। UIDAI के सीईओ अजय भूषण पांडे ने अपनी प्रेजेंटेशन सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संवैधानिक बेंच के सामने गुरुवार को शुरू की थी जिसे 27 मार्च को वह आगे बढ़ाएंगे। सुप्रीम कोर्ट की यह बेंच आधार की संवैधानिक वैधता को लेकर दायर की गई कई याचिकाओं की सुनवाई के लिए गठित की गई है।

फोर्ब्स '30 अंडर 30 एशिया' लिस्ट: पहले स्थान पर भारत, चीन दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली । एजेंसी

फोर्ब्स ने अपनी '30 अंडर 30 एशिया' लिस्ट जारी कर दी है। तीसरी बार आई इस लिस्ट में 300 लोगों को जगह दी गई है। भारत 65 सम्मानितों के साथ टॉप पर है। दूसरे नंबर पर चीन है। उसके 59 युवाओं को यह सम्मान मिला है। इस लिस्ट में उन युवाओं को शामिल किया जाता है जिन्होंने कुछ नया किया या फिर अपने ही क्षेत्र में हटकर काम किया हो। लिस्ट में एशिया-पसेफिक के 24 देशों को शामिल किया गया है। नॉर्थ कोरिया और अजरबैजान को लिस्ट में पहली बार जगह मिली है।सम्मानितों को ऑनलाइन वोटिंग के जरिए चुना गया था। भारत के लोग लगभग हर कटेगरी में शामिल हैं। वहीं चीनियों ने टेकनॉलजी के क्षेत्र में अच्छा काम किया है। लिस्ट में शामिल प्रमुख भारतीयों के नाम देखिए-

अंकित प्रसाद (27 साल)- 'Bobble Keyboard' नाम का ऐप बनाया, ये सेल्फी को कार्टून इमेज में बदलता है।

प्रिया प्रकाश (26 साल)- 'हेल्थ सेट गो' नाम से प्रोग्राम शुरू किया। यह स्कूली छात्रों के लिए स्वास्थ्य संबंधी काम करता है।

बाला सरदा (26 साल)- 'वाथम टी' नाम से चाय का बिजनस शुरू किया। इसमें बिचौलियों की जगह नहीं थी।

सुहानी जलोटा (23 साल)- महिला फाउंडेशन बनाया, मासिक धर्म से जुड़े उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहन किया और महिलाओं को अपने साथ जोड़ा।

पद्मनाभ सिंह (19 साल)- जयपुर के प्रिंस हैं, वर्ल्ड कप पोलो टीम का हिस्सा बनने वाले अबतक के सबसे युवा खिलाड़ी बने।

राहुल ज्ञान (28 साल)- इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और बाइक बनाने वाली 'ज्ञान मोटर्स' शुरू की।

अनुष्का शर्मा (29 साल) - भारतीय फिल्म जगत की सबसे पेड एक्ट्रेस। अबतक 19 फिल्मों में काम किया, जिसमें कई सफल रहीं। शिक्षा का अधिकार के लिए बने सरकारी विज्ञापन में भी काम किया।

श्रेयस भंडारी और रमेश धामी (22-23 साल)- पुराने जूतों को रीसाइकल करके जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का काम करते हैं।

पीवी सिंधु (22 साल)- ओलिंपिक में बेडमिंटन में भारत के लिए रजत पदक जीता था।

भूमिका अरोड़ा (29 साल)- मॉडल हैं, इन्हें 2016 में वोग इंडिया मैगजीन के कवरपेज पर जगह मिली थी।

किस देश के कितने युवा

भारत - 65
चीन - 59
ऑस्ट्रेलिया 35
साउथ कोरिया 25
सिंगापुर 21
जापान 21
हांगकांग 12
पाकिस्तान 7

वॉट्सऐप में आया पेमेंट करने का नया तरीका

पैसे भेजना हुआ अब बहुत आसान

नई दिल्ली। एजेंसी

वॉट्सऐप ने इसी साल यूपीआई आधारित पेमेंट्स सर्विस लॉन्च के साथ डिजिटल पेमेंट्स मार्केट में कदम रखा था। अब कंपनी ने किसी यूजर के खाते में पैसे ट्रांसफर करने का एक और तरीका पेश किया है, जो इसे और आसान बनाता है। अभी तक यूजर्स को अमाउंट डालने के बाद, यूपीआई पिन एंटर कर, भुगतान के लिए आगे की प्रक्रिया पूरी करनी होती थी। अब, यूजर्स क्यूआर कोड स्कैन करके, तेजी से अमाउंट ट्रांसफर कर सकते हैं।

वॉट्सऐप ऐंड्रॉयड के बीटा वर्ज़न में QR कोड स्कैनिंग पेमेंट का तरीका उपलब्ध है। हमें बीटा ऐप के वर्ज़न 2.18.93 में यह नया तरीका मिला। यह ऐप वर्ज़न Google Play beta Programme के जरिए उपलब्ध है। आइये जानते हैं कि वॉट्सऐप पेमेंट्स के नए तरीके को कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं...

स्टेप 1: ऐप में जाएं और सेटिंग्स पेज खोलें

स्टेप 2: 'Payments' विकल्प पर टैप करें

स्टेप 3: लिस्ट में नीचे दिख रहे 'New Payment' विकल्प पर टैप करें

स्टेप 4: इसके बाद 'Scan QR code' विकल्प पर टैप करें

इतना करने के बाद, स्क्रीन पर कोड स्कैनर दिख जाएगा अब आप पैसे भेजने वाले (सेंडर) की स्क्रीन पर दिख रहा कोड स्कैन कर सकते हैं और बिना यूपीआई नंबर डाले पेमेंट की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

वॉट्सऐप में नहीं हैं ये 'खास' फीचर्स

अगर आप पैसे मंगा रहे हैं, तो QR code कैसे दिखता है? जैसा कि हमने ऊपर बताया है स्टेप 1 और स्टेप 2 वैसे ही फॉलो करें। इसके बाद सबसे ऊपर दिये तीन डॉट विकल्प पर टैप करें। फिर 'Show QR code' ऑप्शन पर जाएं। इसके बाद पैसे भेजने वाला यूजर पैसे भेजने के लिए कोड को स्कैन कर पाएगा। बता दें कि इसी महीने वॉट्सऐप ने एक नया पेमेंट इंटरफेस लॉन्च किया था, जिसके जरिए यूजर सेटिंग्स पेज पर जाकर पेमेंट कर सकते थे। इससे पहले, किसी लेनदेन के लिये यूज़र्स को जिसे पैसे भेजने हैं उसकी चैट थ्रेड को खोलकर पेमेंट विकल्प पर क्लिक करना होता था। हाल ही में वॉट्सऐप ने ऐलान किया था कि कंपनी ने पेमेंट विकल्पों के लिए देश के कई बैंकों के साथ साझेदारी की है। बैंकों की इस लिस्ट में ICICI Bank, HDFC Bank, Axis Bank, SBI, Yes Bank और कई दूसरे बैंक शामिल हैं। रेगुलर बैंकों के अलावा, वॉट्सऐप ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक के साथ भी साझेदारी की है।

चीन के कच्चे तेल वायदा का सूचीबद्ध लेनदेन औपचारिक तौर पर शुरू

शंघाई। एजेंसी

26 मार्च के नौ बजे से चीन के कच्चे तेल वायदा की शांगहाई फ्यूचर्स एक्सचेंज में स्थित शाखा शांगहाई अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा व्यापार सेंटर ने औपचारिक रूप से अपना काम शुरू किया। जानकारी के अनुसार कच्चे तेल वायदा चीन के माल वायदा में विश्व के बाजार में शामिल पहला वायदा है। जिस पर आरएमबी से मूल्यांकन करने, व्यापार करने, वितरण करने, निपटान करने, खतरे का नियंत्रण करने और बाजार की निगरानी व प्रबंध करने से व्यापक रूप से अंतर्राष्ट्रीयकरण प्राप्त है। चीनी प्रतिभूति विनियामक आयोग के अध्यक्ष ल्यू शीयू ने लिस्टिंग समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रतिभूति विनियामक आयोग को चीनी विशेषता वाले कच्चे तेल वायदा बाजार के अच्छी तरह से निर्माण करने का विश्वास, संकल्प व क्षमता है।

अमूल ला रहा है हल्दी-दूध, 'मॉकटेल' भी परोसने की तैयारी

वड़ोदरा/आनंद। एजेंसी

दूध, दही, घी, मक्खन के बाद अमूल ने अब आपको वह परोसने का फैसला किया है, जो आपको दादी-नानी ने जरूर पिलाया होगा। एशिया के सबसे बड़े मिल्क ब्रैंड अमूल ने जल्द ही देशभर में 'हल्दी दूध' लॉन्च करने का फैसला किया है। नई पीढ़ी के स्वाद को ध्यान में रखते हुए हल्दी दूध के साथ ही 'आयरिश ड्रिंक मॉकटेल' भी पेश करने की योजना है।

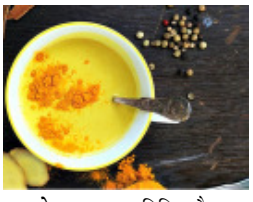

कैरा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रड्यूसर यूनियन लिमिटेड, जिसे अमूल डेरी के नाम से जाना जाता है, ने दूध की दो नई वरायटीज का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह ग्राहकों के लिए खोलने में आसान (Easy to open-EOE) कैन्स में उपलब्ध होगा। अमूल डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. के रतनाम ने कहा, 'हमारे पास इन दोनों ही प्रॉडक्ट्स के 1.50 लाख यूनिट प्रतिदिन तैयार करने की क्षमता है।' उन्होंने यह भी बताया कि इन दो नई वैरायटीज को आनंद स्थित अमूल डेयरी प्लांट में तैयार किया जा रहा है। गुजरात के सभी जिला डेयरी यूनियन की सबसे बड़ी मार्केटिंग बॉडी गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMMF) ने के मैनेजिंग डायरेक्टर आरएस सोढ़ी ने कहा, 'रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की खूबी के लिए हल्दी सुपरफूड के रूप में जाना जाता है। खासतौर पर दूध के साथ मिलकर यह कई बीमारियों से लड़ने वाली सदियों पुरानी आयुर्वेदिक दवा है।' उन्होंने आगे कहा कि हल्दी दूध केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में प्रसिद्ध है। आयरिस ड्रिंक मॉकटेल (निश्चिततौर पर विस्की के बिना) आयरलैंड के फेमस आयरिस कॉफी से प्रेरित है। उण्श्इ के अधिकारियों ने बताया कि दूध आधारित बेवरेज से देश का सबसे बड़ा को-ऑपरेटिव 100 करोड़ के बाजार को टारगेट कर रहा है। अधिकारी ने कहा, 'हमें विश्वास है कि आयरिश ड्रिंक बेवरेज कैटिगरी को हिला देगा।'

ईश्वर हैं अनंत आनंद

जीवन का सच्चा आनंद परमात्मा का ध्यान है, लेकिन सांसारिक व भौतिक प्रलोभनों के फेर में पड़ कर हम इस आनंद से वंचित हो जाते हैं। प्रलोभनों से बचने के लिए हमें ज्ञान की शरण लेनी होगी। पूर्ण ज्ञान हमें हर प्रकार के प्रलोभनों से बचाते हुए ईश्वरीय आनंद की अनुभूति में लीन कर देता है।

ज्ञान के दुर्ग में स्वयं को सुरक्षित रखें। इससे अधिक और कोई सुरक्षा नहीं है। पूर्ण ज्ञान आपको ऐसी अवस्था में ले जाएगा, जहां आपको कोई भी वस्तु क्षति नहीं पहुंचा सकती। परंतु जब तक आपको ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ है, और प्रलोभन होता है तो सर्वप्रथम आप उस कार्य अथवा लालसा को रोक दें और उसके बाद तर्क करें। यदि आप पहले तर्क करने का प्रयास करते हैं तो चाहे आप किसी कार्य को न भी करना चाहें तो भी आप उसे करने के लिए बाध्य हो जाएंगे, क्योंकि प्रलोभन तर्क पर हावी हो जाएगा। केवल कहें 'नहीं' और उठ कर दूर चले जाएं। यही शैतान (माया) से बचने का सबसे अचूक तरीका है। प्रलोभन के आक्रमण के समय आप जितना अधिक इस 'नहीं करूंगा' की शक्ति को विकसित करेंगे, उतना ही अधिक आप प्रसन्न रहेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि सम्पूर्ण आनंद उस काम को करने की सक्षमता पर निर्भर है, जिसे अंतरात्मा आपको अवश्य ही करने के लिए कहे।

स्वयं को अपने परिवेश और इंद्रिय-इच्छाओं द्वारा नियंत्रित न होने दें। सद्गुण और आध्यात्मिक जीवन, इंद्रिय लिप्तता की अपेक्षा कहीं अधिक मनोहर हैं, लेकिन प्रलोभन की आदतों की कड़ियां लोगों को दृढ़ता से जकड़े रखती हैं। यदि एक बार ईश्वर ने अपने प्रेम से आपको आकर्षित कर लिया तो आप और कुछ नहीं चाहेंगे। आपकी किसी भी वस्तु में रुचि नहीं रहेगी। जब आप विश्वस्त हो जाते हैं कि वे आपके लिए ही अत्यधिक वांछनीय हैं, निधि हैं, तो भौतिक जगत में कुछ भी, कभी भी पुनः आपको प्रलोभित नहीं कर सकता और आपके विवेक पर हावी नहीं हो सकता।

अध्यात्म

परमहंस योगानन्द

ईश्वर को जानना ही एकमात्र उचित अभिलाषा है, क्योंकि वे अनंत आनंद हैं। हमें उनको इसलिए चाहना चाहिए, क्योंकि वे हमारे समस्त दुखों के लिए रामबाण हैं। वे हमारी समस्त आवश्यकताओं के समाधान हैं। जिन वस्तुओं को पाने के लिए हमारे हृदय क्रंदन करते हैं- प्रेम, यश, ज्ञान अथवा प्रत्येक अन्य कोई भी वस्तु- उन्हें हम उस 'पूर्ण ब्रह्म के संपर्क' से पाते हैं। भले ही आप संसार में अत्यधिक प्रसिद्ध व्यक्ति हों, आपकी प्रसिद्धि के बोध का अंत मृत्यु होगी, तब लोगों के प्रेम का कोई अर्थ बचेगा ही नहीं।

> एक बार ईश्वर ने आपने प्रेम से आपको प्रलोभित कर लिया तो आप और कुछ नहीं चाहेंगे। आपकी किसी भी वस्तु में रुचि नहीं रहेगी।

तो ऐसी किसी वस्तु के लिए इतना कठिन परिश्रम क्यों करते हैं, जो मृत्यु के साथ ही खो जाएगी? धन, यश, प्रतिष्ठा, इंद्रिय लिप्तता, भौतिक सुख- ये सब मिथ्या सुख हैं, जो माया रूपी शैतान ने ईश्वर संगति के सच्चे आनंद के बदले में दे रखे हैं। याद रखें कि प्रलोभन केवल इसलिए शक्तिशाली है कि आपके पास किसी अन्य अच्छी वस्तु के साथ तुलना करने की समझ नहीं है। जब आप प्रबलता से आकर्षित होते हैं तो आपका ज्ञान क्षण-भर के लिए आपकी इच्छाओं और आदतों का कैदी बन जाता है। लेकिन, स्वतंत्रता का उच्चतम मार्ग है ईश्वर के अपार आनंद में इस प्रकार लीन हो जाना कि आप समस्त सांसारिक सुखों को एक क्षण में त्याग सकें।

यदि आप इस जीवन में सच्चे आनंद को प्राप्त कर लेते हैं तो यह इस जीवन में और जीवन के बाद भी, आपके साथ रहेगा। आप क्या चाहते हैं- ईश्वर का शाश्वत आनंद, जो अभी थोड़े से सांसारिक सुखों को त्यागने से आपका हो सकता है या वर्तमान सांसारिक सुख, जो हमेशा नहीं रहेगा। तुलना करके, अपने हृदय को विश्वास दिलाएं। ईश्वर की ओर आगे बढ़ने वाले आपके प्रत्येक प्रयास को वे मान्यता देंगे।

शुद्ध हृदय से आरंभ करें और कहें 'मैं सदा अच्छा रहा हूं, मैं केवल स्वप्न देख रहा था कि मैं बुरा हूं।' यह सत्य है कि बुराई एक खराब सपने की तरह है और आत्मा से इसका कोई संबंध नहीं है।

प्रलोभन चीनी लगा विष है, यह स्वाद में रुचिकर लगता है, परंतु इससे मृत्यु निश्चित है। इस संसार में जिस सुख को लोग ढूंढ़ रहे हैं, वह स्थायी नहीं है। ईश्वरीय आनंद शाश्वत होता है। उसकी लालसा करें, जो चिरस्थायी है, और जीवन के अस्थायी सुखों को त्यागने के लिए कठोर हृदय वाले बनें। आपको ऐसा बनना ही पड़ेगा। संसार को अपने ऊपर शासन न करने दें। कदापि न भूलें कि केवल ईश्वर ही एकमात्र सत्य हैं। आपके परमपिता का सच्चा प्रेम आपके हृदय में आपके साथ लुका-छिपी का खेल खेल रहा है। आपकी सच्ची प्रसन्नता, ईश्वर की अनुभूति में निहित है।

महावीर जयंती (29 मार्च) पर विशेष

अहिंसा का आधार है सत्य

उपाध्याय श्री रवींद्र मुनि जी

वर्तमान व्यवस्था में अर्थ को जितना महत्व दिया जा रहा है, उतना मानवीय मूल्यों को नहीं, इसलिए भगवान महावीर की शिक्षा और उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करना जरूरी हो गया है। इसके लिए अपनी नैतिकता, चरित्रगत अच्छाइयों का परित्याग न करते हुए हमें सच्चे अर्थों में मानव होना होगा। मानवीय आचरण करने में निरंतर जुड़ना होगा, जुटना होगा, क्योंकि हमारे जितने भी क्रिया-कलाप अथवा आजीविका के साधन हैं, उनका उद्देश्य सिर्फ पेट भरने के लिए भोजन प्राप्त कर लेना मात्र नहीं है। बाहरी आडंबरों और समाज में झूठी शान दिखाने के लिए हो रहे दिशाहीन कार्यों पर रोक लगाना भी होगा।

आप पूछेंगे कि ऐसा कैसे संभव है? तो मैं एक जैन संत होने के नाते यह जोर देकर कहना चाहूंगा कि भगवान महावीर की शिक्षा आर्थिक चिंतन की दृष्टि से अपरिग्रह से जुड़ी हुई है। वैचारिक रूप से समन्वयी बनने के लिए हमें भगवान महावीर के अनेकांतवाद और स्यादवाद को गहराई से समझना होगा, अपना आचरण बनाना होगा। जहां तक सत्य की बात है, वह अहिंसा का आधार है। जब तक हम संपूर्ण सत्य को नहीं जानेंगे, तब तक निश्चित रूप से हम अहिंसा का पालन नहीं कर पाएंगे। अहिंसा पालन के लिए अनिवार्य शर्त यही है कि पहले हम वस्तुगत तथ्य को जानें, तथ्य को स्वीकार करें और सत्य के दूसरे पहलू पर भी, जो हम देख नहीं पा रहे हैं, उदारता से विचार करें।

जैसे-जैसे हम अनुदारता से उदारता की ओर पग बढ़ाएंगे, हम भगवान महावीर के चिंतन को समझने में, उसे स्वीकार करने में, अपना आचरण बनाने में समर्थ होते जाएंगे। भगवान महावीर ने जिस युगीन सत्य को पंच महाव्रत के रूप में प्रस्तुत किया और स्वयं भी उसका आचरण करते हुए उच्चतर मानसिकता का उदाहरण प्रस्तुत किया, आज उसकी सर्वाधिक प्रासंगिकता है।

यहां मैं भगवान महावीर की आर्थिक सोच को दिखाने के लिए एक प्रसंग प्रस्तुत कर रहा हूं, जिससे हमें भगवान महावीर को समझने में और स्वीकार करने में सुविधा होगी। प्रसंग यह है कि प्रभु के अनन्य भक्त शकडाल पुत्र की पत्नी पूरे तामझाम, दास-दासी और अनेक तरह के वैभव का प्रदर्शन करते हुए भगवान महावीर के दर्शन करने पहुंचीं। भगवान ने कहा, 'यह क्या कर रही हो? तुम मेरे दर्शन करना चाहती हो या अपना वैभव, सम्पन्नता, आर्थिक संग्रह दिखाना चाहती हो। इतने सारे दास-दासी अपने साथ लेकर आई हो, क्या कभी इनके अभावों को, इनके दुखों को तुमने जानने का प्रयत्न किया है। यदि तुम मेरी भक्त हो तो मैं यह कहूंगा कि पहले इनके अभावों को दूर करो और इन्हें समर्थ बनाने में सहयोगी बनो। यदि यह समर्थ होंगे तो अधिक संतोष से कार्यों को संपन्न कर पाएंगे।' भक्त श्राविका ने तत्काल प्रभु आज्ञा का पालन करते हुए वैसा ही किया व सभी दासियों को पर्याप्त धन देते हुए स्वतंत्र कर दिया।

इस तरह भगवान महावीर का चिंतन समतावादी समाज की रचना था। यदि हम इसे समझ पाएं, स्वीकार करें तो हमारा महावीर जयंती मनाना सार्थक होगा।

आस्था स्थली: महादेव बाड़ी, उदयपुर, त्रिपुरा

भगवान शिव का मनोरम मंदिर

त्रिपुरा के शहर उदयपुर के मुख्य शहर में महादेव बाड़ी स्थित है। यह शिव मंदिर समूह है। शिव मंदिर के अलावा परिसर में दो और अत्यंत सुंदर व ऐतिहासिक महत्व के मंदिर हैं। महादेव बाड़ी के पास महादेव दीघी सरोवर बना है। इस मंदिर के दूसरी तरफ विजय सागर नामक विशाल सरोवर भी है।

महादेव बाड़ी के मंदिरों का निर्माण त्रिपुरा के राजा महाराज धन्य माणिक्य के शासन काल में हुआ था। बाद में महाराज कल्याण माणिक्य और राम माणिक्य के शासन काल में इसकी मरम्मत और विस्तार का काम हुआ। इनका निर्माण काल 1650 से 1672 के बीच का है। बंगीय शैली में बने इन मंदिरों के निर्माण में लाल पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है। मंदिर के दीवारों पर सुंदर नक्काशी है। अपनी सुंदर वास्तुकला के कारण ये भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित मंदिर समूह है। बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण महाराजा राधाकिशोर माणिक्य के शासन काल में सन् 1900 के आसपास हुआ।

> महादेव बाड़ी मंदिर के दूसरी तरफ विजय सागर नामक विशाल सरोवर भी है। मंदिरों का निर्माण त्रिपुरा के राजा महाराज धन्य माणिक्य के शासन काल में हुआ था।

महादेव बाड़ी मंदिर का प्रवेश द्वार पश्चिम की ओर से है। महादेव बाड़ी के शिव मंदिर में विशाल शिवलिंगम स्थापित है। मंदिर में नियमित पूजा-पाठ होता है। यहां दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। शिवरात्रि के मौके पर यहां विशाल मेला लगता है। मंदिर परिसर के बाहर पूजा प्रसाद की दुकानें हैं।

महादेव बाड़ी परिसर में दो और मंदिर हैं, जिनके नाम चतुर्दश देव मंदिर और त्रिलोकीनाथ मंदिर हैं। हालांकि इन मंदिरों में कोई भी मूर्ति स्थापित नहीं है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर दो शेरों की पत्थरों से काटकर बनाई गई प्रतिमा स्थापित की गई है।

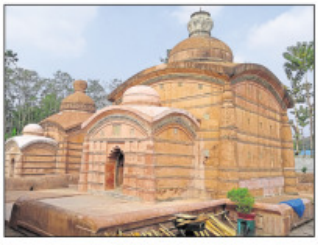

गुनाबती मंदिर समूह

महादेव मंदिर से आगे तीन मंदिरों का समूह है। इसे तीन मंदिर या गुनाबती मंदिर समूह कहते हैं। इन तीन मंदिरों का निर्माण 1668 में त्रिपुरा की महारानी और महाराजा गोविंद माणिक्य की पत्नी गुणावती द्वारा करवाया गया था। महारानी गुणावती बहुत ही आस्थावान महिला थीं।

कैसे पहुंचें: त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से उदयपुर की दूरी करीब 55 किलोमीटर है। अगरतला से उदयपुर शहर तक अब आप रेल से भी पहुंच सकते हैं। वैसे अगरतला से सबरुम मार्ग पर 4-लेन हाईवे बन चुका है, जिस पर दिन भर बसें और टैक्सियां चलती रहती हैं।

अनादि अनत

जल्द लॉन्च होगी BMW की यह दमदार कार

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

उम्मीद है कि बीएमडब्ल्यू की तीसरी जेनरेशन की X3 19 अप्रैल, 2018 को भारत में लॉन्च होगी। इसका मुकाबला आउडी क्यू5, मर्सेडीज बेंज जीएलसी, लैंड रोवर डिस्कवरी स्पोर्ट और वोल्वो एक्ससी60 से होगा। इसे इस साल ही दिल्ली में 2018 ऑटो एक्सपो में शोकेस किया गया था।

इसकी बनावट बहुत हद तक पहले वाले मॉडल जैसी है लेकिन कुछ बदलाव किया गया है। रियर में एल शेप का टेललैंप दिया गया जबकि फ्रंट पर बड़ी किडनी ग्रिल दी गई है और ग्रिल के दोनों तरफ हेडलैंप्स दिए गए हैं। नई एक्स3 को क्लस्टर आर्किटेक्चर प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है। यह पहले से 55 किलोग्राम कम वजनी है। इसका वीलबेस पहले वाले मॉडल के मुकाबले में लंबा है जिससे अंदर में ज्यादा स्पेस मिलेगा।

यह कार पेट्रोल और डीजल दोनों इंजनों में उपलब्ध होगी। पेट्रोल वेरिएंट में 3.0 लीटर का ट्विन-टर्बो इंजन मिलेगा, जो 257 पीएस की पावर और 620 एनएम का टॉर्क देगा। डीजल वेरिएंट में 2.0 लीटर का 4-सिलेंडर ट्विन-टर्बो इंजन मिलेगा, जो 190 पीएस की पावर और 400 एनएम का टॉर्क देगा। इंजन के साथ 8-स्पीड जेडएफ गियरबॉक्स दिया जा सकता है, जो सभी पहियों पर पावर सप्लाई करेगा। सुरक्षा के लिए इस में ऐंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस), ईबीडी, हिल डिसेंट कंट्रोल, डाइनैमिक स्टैबिलिटी कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल और डाइनैमिक ब्रेक कंट्रोल मिलेंगे।

केबिन की टेक्नॉलजी को अपडेट किया गया है। केबिन पहले से ज्यादा प्रीमियम होगा। इसमें टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, हेडअप डिस्प्ले और 360-डिग्री कैमरा मिलेगा। अडैप्टिव डैंपर्स भी दिया जा सकता है। माना जाता है कि नई एक्स3 का मूल्य मौजूदा मॉडल से ज्यादा होगा। मौजूदा मॉडल की कीमत 54 लाख रुपये है।

निजी कार मालिक भी ओला-ऊबर से कमा सकेंगे पैसा

नई दिल्ली।एजेंसी

अगर आपकी कार ज्यादा समय तक खड़ी रहती है तो आप ओला-ऊबर के प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल कर उससे कमाई कर सकेंगे। इसके लिए आपको थोड़ा इंतजार करना होगा। सरकार टैक्सी परमिट नियमों को आसान बनाने की तैयारी में है। इसके तहत ऊबर और ओला जैसे टैक्सी अग्रीगेटर्स के जरिए निजी कारों को टैक्सी सेवाएं देने की अनुमति दी जा सकती है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे देशों में उबर को राइड-शेयरिंग के लिए निजी कारों का इस्तेमाल करने की अनुमति है।

इस बारे में उच्च-स्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस समिति को देश की परिवहन व्यवस्था में सुधारने के रास्ते बताने के लिए गठित किया गया था। इसी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि टैक्स परमिट के नियमों को नरम बनाया जा सकता है। इससे कंपनियों के लिए प्राइवेट कारों को टैक्सी के रूप में इस्तेमाल करने में सहूलियत होगी। इसे बनाने में विभिन्न मंत्रालय और नीति आयोग के प्रतिनिधि शामिल थे।

रिपोर्ट में साफ किया गया है कि इस तरह की व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अभी टैक्सी अग्रीगेटर की सीमित संख्या से एकाधिकार का खतरा पैदा हो सकता है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि इस मामले से जुड़े लोगों की चिंता को बातचीत के माध्यम से दूर करने की जरूरत है।

कुछ चिंता के बावजूद ऊबर और ओला जैसी कंपनियां इस प्रस्ताव का स्वागत करेंगी। बीते महीने ईटी के साथ बातचीत में ऊबर के ग्लोबल सीईओ दारा खोसरोवशाही ने कहा था कि उनकी कंपनी प्राइवेट कार-शेयरिंग का समर्थक है। इसका फायदा उठाया जा सकता है। दिल्ली का उदाहरण देते हुए खोसरोवशाही ने कहा था कि यहां 70 फीसदी कारों में सिर्फ एक यात्री बैठा होता है। प्राइवेट कार-शेयरिंग से कार रखने वाले कई लोगों के लिए कमाई का अवसर खुलेगा। इससे भीड़-भाड़ से निपटने का रास्ता भी खुल सकता है। बीते महीने सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि सड़क और सार्वजनिक परिवहन में निजी वाहनों की संख्या नियंत्रित करने की जरूरत है। इसमें नई टेक्नॉलजी की मदद ली जा सकती है।

ग्लोबल ट्रेड वॉर का भारत के निर्यात पर पड़ेगा असर: एसोचैम

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत की अर्थव्यवस्था खासतौर पर देश के निर्यात पर ग्लोबल 'ट्रेड वॉर' का असर पड़ सकता है, यह मानना है एसोचैम का। एसोचैम ने एक बयान में कहा, 'अगर वैश्विक ट्रेड वॉर बड़े स्तर पर फैलती है तो इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। देश का गिरता निर्यात, राजकोषीय घाटे का दबाव और जीडीपी की खराब हालत से देश की अर्थव्यवस्था पर असर पडेगा।'भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (Assocham) ने ट्रेड वॉर को लेकर कहा कि अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों का भले ही भारत पर प्रत्यक्ष असर न हो लेकिन परोक्ष रूप से अर्थव्यवस्था प्रभावित जरूर होगी। एसोचैम ने कहा, 'अगर भारत अपने आयात पर प्रतिक्रिया लेती भी है तो भी निर्यात पर अधिक असर पड़ेगा क्योंकि एक्सचेंज रेट्स भी बढ़ेंगे।' एसोचैम ने सरकार से एक बैकअप प्लान तैयार करने को कहा जिसमें ट्रेडिंग पार्टनर्स के साथ द्विपक्षीय व्यापार पर जोर दिया जाए जिससे भारत को देशों की संरक्षणवादी नीतियों से बचाया जा सके। चैंबर ने कहा कि मार्केट से निवेशकों का विश्वास अगर जाता है तो पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट से डॉलर रेट्स बढ़ेंगे।

पॉलिसी रेट्स में कोई बदलाव नहीं करेगा RBI: रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

रिजर्व बैंक (RBI) अगले हफ्ते मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। विश्लेषकों ने यह अनुमान जाहिर किया है। मॉर्गन स्टैनली के विश्लेषकों ने एक रिसर्च नोट में कहा, 'हमारा अनुमान है कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों को यथावत रखेगी और अपने तटस्थ रुख को बरकरार रखेगी।'

रिजर्व बैंक की अगली मॉनिटरी पॉलिसी 5 अप्रैल को आनी है। केंद्रीय बैंक ने अपनी पिछली पॉलिसी में रेट्स में महंगाई बढ़ने के डर से कोई बदलाव नहीं किए थे। प्रतिस्पर्धी बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिन्च का भी मानना है कि आरबीआई अपनी दरों यथावत ही रख सकता है। मेरिल लिन्च ने कहा कि उसे मॉनसून के अनुकूल रहने के कारण अगस्त की समीक्षा में दरों में कटौती का अनुमान है।

लिन्च का मानना है, 'हमें 5 अप्रैल की बैठक में मौद्रिक नीति समिति द्वारा संतुलित रवैया अपनाने का अनुमान है।' मॉर्गन स्टैनली के विश्लेषकों ने कहा कि 6 सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति पिछली समीक्षा बैठक की तरह की मतदान करेगी। पिछली बैठक में एक सदस्य को छोड़कर अन्य सदस्यों ने नीतिगत दर को यथावत रखने का निर्णय किया था। ग्रोथ के मामले में जीडीपी के दिसंबर 2017 के आंकड़े बताते हैं कि नोटबंदी और जीएसटी के कारण इकॉनमी अभी भी रिकवरी की राह पर है।

ई-बसों के बाद इलेक्ट्रिक कारों के लिए बोली लगाएगी चीन की BYD!

नई दिल्ली। एजेंसी

चीन की दिग्गज ई-वीइकल कंपनी बीवाईडी को हाल में भारत में इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाइ का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कंपनी ने कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए अपनी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के मुकाबले काफी कम कीमत की बोली लगाई थी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि अब यह कंपनी सरकार के 10,000 इलेक्ट्रिक कारों के दूसरे टेंडर के लिए भी बोली लगा सकती है। इलेक्ट्रिक कारों के टेंडर के लिए उसका सीधा मुकाबला टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, निसान और ह्युंडई से होगा।

सरकारी कंपनी एनर्जी एफिशिएंसी सर्विस लिमिटेड (ईईएसएल) ने इस महीने की शुरुआत में सरकारी कामकाज में इस्तेमाल होने वाली 10,000 सेडान कारों के लिए दूसरा ग्लोबल टेंडर जारी किया था। इसके लिए टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हुंडई, निसान और सोलर पावर डिवेलपर एसीएमई ने प्री-बिड मीटिंग के लिए अपने प्रतिनिधि भेजे हैं। हालांकि बीवाईडी का कहना है कि उसने अभी तक ई-कारों के टेंडर में हिस्सा लेने के लिए कोई फैसला नहीं लिया है।

प्री-बिड मीटिंग में हिस्सा लेने पर टेंडर में कंपनियों की दिलचस्पी का पता चलता है, हालांकि इसे निर्णायक संकेत नहीं माना जा सकता। सूत्रों के मुताबिक बीवाईडी इलेक्ट्रिक वीइकल के इस टेंडर में हिस्सा लेने पर विचार कर रही है, लेकिन वह प्री-बिड मीटिंग में शामिल नहीं हुई है। हालांकि बीवाईडी के प्रवक्ता ने इस बात से इनकार कर दिया कि कंपनी की दिलचस्पी इलेक्ट्रिक कारों के टेंडर में है। कंपनी के प्रवक्ता ने भविष्य की योजनाओं पर कुछ भी कहने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'अभी ईवी कारों के लिए कंपनी ने कोई फैसला नहीं किया है।'

वारेन बफेट की फंडिंग पाने वाली बीवाईडी ने हाल में भारत में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक वीइकल इन इंडिया (FAME India) स्कीम के तहत इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाइ के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। सरकार फेम इंडिया स्कीम के तहत अलग-अलग राज्यों को ई-वीइकल के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक सोलर पावर डिवेलपर एसीएमई इलेक्ट्रिक कारों के लिए दूसरे पार्टनर के साथ मिलकर बोली लगा सकती है। इससे पहले ईटी ने खबर दी थी कि ईईएसएल को दूसरे टेंडर में अधिक कंपनियों की भागीदारी की उम्मीद है। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पहले टेंडर में इलेक्ट्रिक कारों के सप्लाइ का ऑर्डर हासिल किया था।

कोयले के लिए नया प्राइसिंग सिस्टम शुरू करेगी कोल इंडिया

कोलकाता। एजेंसी

कोल इंडिया (सीआईएल) 1 अप्रैल से कोयले के लिए नया प्राइसिंग सिस्टम शुरू करेगी। कंपनी के चेयरमैन गोपाल सिंह ने बताया कि यह सिस्टम कस्टमर्स के लिहाज से बेहतर होने के साथ ही ट्रांसपैरेंट और ग्लोबल ट्रेंड्स के अनुसार होगा। कंपनी ने नए सिस्टम के बारे में जानकारी देने और पावर और नॉन-पावर सेक्टर की कंपनियों की मीटिंग बुलाई है। सिंह ने कहा, 'हम कस्टमर्स को नए सिस्टम की जानकारी देंगे और उनका फीडबैक लेंगे। इसके बाद नए सिस्टम के तहत प्राइसेज को नोटिफाई किया जाएगा। इससे कस्टमर्स को फायदा होगा और हम एक इंटरनेशनल प्राइसिंग सिस्टम पर शिफ्ट करेंगे।'

नए सिस्टम में प्राइसेज बेचे जाने वाले कोयले की लिए एनर्जी की प्रति यूनिट के पैसे के आधार पर तय होंगे। इसके साथ ही प्रति किलोग्राम में कुल एनर्जी कंटेंट पर आधारित सिस्टम भी बरकरार रहेगा, लेकिन प्रत्येक कंसाइनमेंट का प्राइस उस विशेष ग्रेड के कोयले के लिए एनर्जी की प्रति यूनिट के लिए तय रेट और एक किलोग्राम कोयले में मौजूद कुल एनर्जी के जरिए तय होगा। सिंह ने कहा कि इस सिस्टम से अधिक ट्रांसपैरेंसी आएगी। यह एक मजबूत और कस्टमर्स के फायदे वाला सिस्टम होगा। यह बैंड बेस्ड प्राइसिंग के बजाय कोल प्राइसिंग के ग्लोबल सिस्टम पर आधारित है।

इसका मतलब है कि कोयले के प्रत्येक टन की कीमत उसमें कुल एनर्जी कंटेंट पर आधारित होगी। मौजूदा सिस्टम में एनर्जी कंटेंट की एक रेंज के लिए प्राइस समान होता है। एनर्जी कंटेंट को ग्रेड के तौर पर कैटेगरी में रखा जाता है। कोल इंडिया ने नए सिस्टम के तहत ग्रेड की संख्या 17 से घटाकर 10 कर दी है।

कंपनी ने बताया कि पावर जेनरेशन कंपनियों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले उ10 और उ14 के बीच के कोल ग्रेड को एक ग्रेड में रखा गया है। इस ग्रेड में एनर्जी कंटेंट 3,101-4,600 ग्रॉस कैलोरिफिक वैल्यू (उण्ड्) का होगा। इसका प्राइस 23 पैसे प्रति किलो कैलोरी का रहेगा। इससे पावर सेक्टर के इस्तेमाल वाले कोयले की कीमत 713-1,058 रुपये प्रति टन की होगी। मौजूदा सिस्टम में इन ग्रेड के कोयले की कीमत 748-1,024 रुपये प्रति टन है।

कंपनी ने बताया, 'कोल इंडिया की कुल बिक्री में उ9 से उ14 ग्रेड की हिस्सेदारी 80 पर्सेंट की है। कस्टमर्स को अब प्रत्येक कंसाइनमेंट में एनर्जी कंटेंट की कुल मात्रा के आधार पर भुगतान करना होगा। पुराने प्राइसिंग सिस्टम में कस्टमर्स को एक बैंड में आने वाले अलग-अलग एनर्जी कंटेंट के लिए एक तय कीमत चुकानी होती थी। नए सिस्टम में यह नहीं होगा।' हालांकि, प्रत्येक कंसाइनमेंट का प्रति किलोग्राम कोयले में सटीक एनर्जी कंटेंट के लिए टेस्ट करना होगा। कोल इंडिा नए सिस्टम में कोयले की टेस्टिंग का इंतजाम कर रही है।

350 रुपये का सिक्का जारी करेगा RBI

गुरु गोबिंद सिंह जी को होगा समर्पित

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) जल्द ही पहली बार 350 रुपये का सिक्का जारी करने जा रहा है। सेंट्रल बैंक इसे गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाशोत्सव पर इसे आम जनता के लिए बाजार में पेश करेगा। हालांकि यह बहुत ही छोटी अवधि के लिए जारी किया जाएगा।

छोटे सिक्कों का प्रचलन हुआ खत्म

देश भर में छोटे सिक्कों का प्रचलन खत्म हो जाने के बाद आरबीआई का पूरा जोर अब बड़े डिनॉमिनेशन वाले सिक्कों की तरफ हो गया है। आरबीआई कुछ खास मौकों पर ऐसे सिक्के जारी करता रहता है।

350 रुपये के सिक्के में यह होंगी खासियतें

यह सिक्का 44 एमएम का होगा और इसमें चांदी, कॉपर, निकेल और जिंक मिला होगा। सिक्के के सामने वाले हिस्से में अशोक स्तंभ होगा और इसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा होगा। वहीं सिक्के के दोनों तरफ अंग्रेजी में इंडिया और देवनागरी लिपि में भारत लिखा होगा। इसी हिस्से पर रुपये का सिंबल और बीच में 350 लिखा होगा। सिक्के के पीछे वाले हिस्से में श्री हरमिंदर जी पटना साहिब तख्त का चित्र होगा। इस चित्र के ऊपर और नीचे के हिस्से में अंग्रेजी और देवनागरी में 'श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश उत्सव' लिखा होगा। वहीं इस सिक्के के दोनों साइड में 1666 और 2016 भी लिखा होगा।

35 ग्राम का होगा सिक्का

आरबीआई के नोटिफिकेशन के मुताबिक सिक्के का वजन 34.65 से लेकर 35.35 ग्राम के बीच होगा। आरबीआई ने यह नहीं बताया है कि वो बाजार में कितने सिक्के जारी करेगा

वित्त मंत्रालय का अनुमान

2025 तक दोगुनी हो जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ी बात कही है। जारी बयान के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था 2025 तक दोगुनी होकर 5,000 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी। वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तय मुद्रास्फीति के लक्ष्य को लेकर भी कोई खतरा नहीं है। आर्थिक मामलों के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने शनिवार को कहा, 'देश सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने की ओर अग्रसर है। स्टार्ट अप, एमएसएमई तथा बुनियादी ढांचा निवेश पर ध्यान दिए जाने से अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज की जा सकती है।'

गर्ग भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वहां गर्ग ने कहा, 'मेरा मानना है कि यह सोचना काफी ठीक होगा कि अगर अर्थव्यवस्था अगले 7-8 साल तक वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है और मांग पैदा होती है, तो हम 2025 तक अर्थव्यवस्था के आकार को 5,000 अरब डॉलर तक पहुंचा सकेंगे। यह एक अच्छा टारगेट है।'

फिलहाल भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकार 2,500 अरब डॉलर (करीब 162,50,000 करोड़ रुपये) है और यह दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुद्रास्फीति के बारे में गर्ग ने कहा कि यह काफी हद तक रिजर्व बैंक के लक्ष्य चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के दायरे में है।

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में सात महीने के निचले स्तर 2.48 प्रतिशत पर आ गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में चार महीने के निचले स्तर 4.44 प्रतिशत पर रही है। रिजर्व बैंक ने अपनी फरवरी की मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया था। रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति की समीक्षा करते समय खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है।

UDAN स्कीम से जल्द जुड़ेंगे 100 रीजनल एयरपोर्ट्स

नई दिल्ली। एजेंसी

अपनी सरकार की अहम रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका दायरा लगभग दोगुना करने की योजना बनाई है। इसके लिए देश में 100 हवाई अड्डों से सब्सिडाइज्ड फ्लाइट्स शुरू की जाएंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री से कहा है कि वह उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) स्कीम के तहत 44 एयरपोर्ट्स को जोड़ने पर गौर करे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, 'एविएशन मिनिस्ट्री को इस स्कीम के तहत और 44 एयरपोर्ट्स को लाने के बारे में विचार करना है।' सरकार ने घोषणा की है कि 56 हवाई अड्डों और 31 हेलिपैड्स को शुरुआती दो चरणों में जोड़ा जाएगा।

उड़ान स्कीम के तहत ऐसे एयरपोर्ट्स के लिए कनेक्टिविटी मुहैया कराई जाती है, जो एविएशन सर्विसेज से न जुड़े हों या जहां बेहद कम फ्लाइट्स आती-जाती हों। ऐसे एयरपोर्ट्स के लिए 2500 रुपये प्रति घंटा के सब्सिडाइज्ड किराए पर सेवा दी जाती है। इस सब्सिडी के लिए पैसा डोमेस्टिक ट्रंक रूट्स पर ऑपरेट करने वाली सभ एयरलाइंस के लिए 5000 रुपये प्रति फ्लाइट के चार्ज और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिविडेंड पेमेंट से जुटाया जाता है।

एयरलाइंस और हेलिकॉप्टर ऑपरेटरों ने इन रूट्स के लिए बोलियां लगाई थीं और विजयी बोलियों वाले ऑपरेटर्स और एयरलाइंस को ये रूट अलॉट किए गए हैं। वे अब फ्लाइट्स शुरू करने की तैयारी में हैं। केवल सरकारी कंपनी एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने पहले चरण में हिस्सा लिया था, वहीं दूसरे फेज में इंडिगो और जेट एयरवेज ने भी भागीदारी की थी। इंडिगो ने इन रूट्स के लिए 50 एटीआर एयरक्राफ्ट्स के लिए ऑर्डर दिया है। वहीं स्पाइसजेट ने बॉम्बार्डियर क्यू 400 एयरक्राफ्ट के लिए ऑर्डर बढ़ाकर 50 कर दिया है।

स्पाइसजेट ने इन रूट्स के लिए पहले और दूसरे चरण में बिडिंग करते हुए सब्सिडि की मांग नहीं की थी। वहीं इंडिगो ने रीजनल फ्लाइट्स ऑपरेट करने के लिए सब्सिडी नहीं मांगी थी। प्रधानमंत्री ने उड़ान स्कीम के तहत पहली फ्लाइट का उद्घाटन पिछले साल अप्रैल में शिमला-नई दिल्ली रूट पर किया था। वह फ्लाइट एयर इंडिया की थी। पहली फ्लाइट के इनॉगरेशन के दौरान पीएम ने कहा था कि उनकी सरकार का इरादा यह है कि हवाई चप्पल पहनने वाले लोग हवाई जहाज में उड़ें।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।